

पाम-ऑयल उत्पादन

प्रलिस के लयः

[यूरोपीय संघ](#), यूरोपीय संघ नरिवनीकरण-मुक्त वनियमन (EUDR), [पाम ऑयल](#), [चीन](#), [खाद्य तेल-पाम ऑयल पर राष्ट्रीय मशिन](#)

मेन्स के लयः

भारत की पाम-ऑयल नीतऱर पाम-तेल उत्पादन को नरितरति करने के लयः यूरोपीय संघ की पहल का प्रभाव ।

[सरोतः इंडयऱन एक्सप्रेस](#)

चरुा में क्युँ?

[यूरोपीय संघ \(EU\)](#) ने हाल के वरुुँ में पाम ऑयल उत्पादन से संबंघति [यूरोपीय संघ नरिवनीकरण-मुक्त वनियमन \(EUDR\)](#) के माध्यम से वनों की कटाई और पर्यावरण संबंघी चतऱओं को दूर करने के लयः महत्तवपूर्ण कदम उठाए हैं तथा वरुु 2030 तक [पाम-ऑयल](#) आधरति जैव ईधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लयः बड़े पैमाने पर प्रयास कयः हैं ।

- मलेशयऱ द्वारा चीन को पाम-ऑयल के नरऱत को सालाना दोगुना करने के समझौते पर हस्ताक्षर करना, वनों की कटाई से जुड़ी वस्तुओं पर यूरोपीय संघ के प्रतर्बिंध से संभावति राजस्व घाटे की भरपाई करने के लयः एक कदम है ।

यूरोपीय संघ नरिवनीकरण-मुक्त वनियमन (EUDR) और मलेशयऱ व इंडोनेशयऱ की प्रतक्रऱयऱँ:

- यूरोपीय संघ नरिवनीकरण-मुक्त वनियमन (EUDR):
 - इसका उद्देश्य यूरोपीय संघ में रोजमर्रा की वस्तुओं की आपूर्ति शृंखला से नरिवनीकरण को समाप्त करना है । वरुु 2030 को लक्ष्य मानकर बुरुसेल्स में वरुु 2023 में एक कानून अपनाया गया और यूरोपीय संघ में वक्रऱ के इच्छुक पाम-ऑयल नरऱतकों पर प्रशासनकि भार डाला गया ।
 - इसके अलावा, जैव ईधन, पाम-ऑयल और वनों की कटाई पाम-ऑयल नीतऱ तथा नरिवनीकरण कानून के मुख्य फोकस क्षेत्र हैं ।
 - वनियमन के लयः कंपनयऱों को यह सुनश्चितऱ करने की आवश्यकता है कयः यूरोपीय संघ को नरऱत कयऱा गया उत्पाद उस भूमऱ पर उगाया गया है जहँ 31 दसऱबर, 2020 के बाद वनों की कटाई नहीं की गई है ।
 - यह वनियमन [वशऱव वऱापार संगठन \(WTO\)](#) के अनुकूल नहीं है और एक गैर-टैरफऱ वऱवधान प्रकट करता है ।
- मलेशयऱ और इंडोनेशयऱ की प्रतक्रऱयऱः
 - इस कानून के माध्यम से कथति यूरोपीय संरक्षणवाद का वऱापक वरऱिध कयऱा गया ।
 - यह नरऱत के लयः चीन पर नरऱभरता को बढ़ावा देगा, जसऱसे पर्यावरणीय लाभ समाप्त हो सकते हैं ।
 - यूरोपीय संघ के लयः नहऱतऱरुथ बहुत अधकि हैं और चीनी बाजारों को इससे काफी लाभ हो सकता है ।

पाम ऑयल और इसके उपयोगः

- परचऱयः
 - पाम ऑयल एक खाद्य वनस्पतऱऑयल है जो पाम अरुथात् ताड़ के फल के मेसोकार्प (लाल रंग का गूदा) से प्राप्त होता है ।

- इसका उपयोग खाना पकाने के ऑयल के रूप में और सौंदर्य प्रसाधन, परसंस्कृत खाद्य पदार्थ, केक, चॉकलेट, स्प्रैड, साबुन, शैम्पू तथा सफाई उत्पादों से लेकर जैव ईंधन तक प्रत्येक वस्तु में किया जाता है।

- **बायोडीजल** बनाने में कच्चे पाम-ऑयल के उपयोग को 'ग्रीन डीज़ल' ब्रांड के रूप में उपयोग किया जा रहा है।

■ उत्पादन:

- इंडोनेशिया और मलेशिया मलिकर वैश्विक पाम ऑयल उत्पादन में लगभग 90% का योगदान देते हैं, जिसमें इंडोनेशिया ने वर्ष 2021 में सर्वाधिक 45 मिलियन टन से अधिक का उत्पादन किया।

■ पाम ऑयल उद्योग से जुड़े मुद्दे:

- कथति तौर पर अस्थिर उत्पादन प्रथाओं के कारण **नरिवनीकरण** और औपनिवेशिक युग से चली आ रही शोषणकारी श्रम प्रथाओं के कारण पाम ऑयल उद्योग आलोचना के घेरे में आ गया है।
- हालाँकि **पाम ऑयल** कई व्यक्तियों द्वारा पसंद किया जाता है क्योंकि यह **सस्ता** है, पाम का पौधा **सोयाबीन** जैसे कुछ अन्य वनस्पति ऑयल पौधों की तुलना में प्रती हैक्टियर अधिक ऑयल का उत्पादन करता है।

वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं के लिये पाम ऑयल की महत्ता:

■ वैश्विक आपूर्ति शृंखला:

- संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषि विभाग (USDA) के अनुसार, **पाम ऑयल विश्व का सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला वनस्पति ऑयल है**, जिसका वैश्विक उत्पादन वर्ष 2020 में **73 मिलियन टन (MT) से अधिक हुआ**।
 - वित्त वर्ष 2022-23 में इसके 77 मीट्रिक टन होने का अनुमान है।
- रॉयटर्स के अनुसार, पाम ऑयल वैश्विक स्तर पर चार सबसे व्यापक रूप से उपयोग किये जाने वाले **खाद्य तेलों की वैश्विक आपूर्ति का 40% योगदान देता है जिसमें** पाम, सोयाबीन, रेपसीड (कैनोला) और सूरजमुखी ऑयल शामिल हैं।
 - इंडोनेशिया पाम ऑयल की 60% वैश्विक आपूर्ति के लिये ज़िम्मेदार है।

■ पाम ऑयल आयात में भारत की स्थिति:

- भारत पाम ऑयल का सबसे बड़ा आयातक है, जो इसकी वनस्पति तेल की कुल खपत का **40% हिस्सा है**। भारत अपनी वार्षिक **8.3 मीट्रिक टन पाम ऑयल की ज़रूरत का आधा हिस्सा इंडोनेशिया से आयात करता है**।
- वर्ष 2021 में भारत ने अपने घरेलू पाम ऑयल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये **खाद्य तेल-पाम ऑयल पर राष्ट्रीय मशिन** का अनावरण किया।
 - भारत की खाना पकाने की आवश्यकताओं के लिये पाम ऑयल से संबंधित लाभों को देखते हुए, भारतीय किसानों को देश में पाम ऑयल उत्पादन बढ़ाने हेतु पाम ऑयल के क्षेत्र विस्तार के प्रयासों को तेज़ करने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।
 - भारत को अपनी खरीद के साथ-साथ आवश्यकताओं में भी विविधता लानी चाहिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2018)

1. आयातति खाद्य तेलों की मात्रा पछिले पाँच वर्षों में खाद्य तेलों के घरेलू उत्पादन से अधिक है।
2. सरकार वशेष मामले के रूप में सभी आयातति खाद्य तेलों पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) 1 और 2 दोनों
- (D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (A)

प्रश्न. पीडकों को प्रतरिध के अतरिकित वे कौन-सी संभावनाएँ है जनिके लयि आनुवंशिक रूप से रूपांतरति पादपों का नरिमाण कयि गया है?(2012)

1. सूखा सहन करने के लयि उनहे सक्षम बनाना

2. उत्पाद में पोषकीय मान बढ़ाना
3. अंतरिक्ष यानों और स्टेशनों में उन्हें उगाने और प्रकाश-संश्लेषण करने के लिये सक्षम बनाना
4. उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाना

नमिनलखिति कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिये:

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 3 और 4
- (C) केवल 1, 2 और 4
- (D) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: C

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/palm-oil-production>

